सामाजिक विज्ञान (कोड-087)

कक्षा 10 - सत्र 2019-20

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 7

निर्धारित समय- 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देशः-

1. प्रश्न-पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है- 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड-क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. नीचे दिए गए चित्र में फिलिप वेट की कृति जर्मेनिया के गुण **टूटी हुई बेड़ियों** का प्रतीकात्मक अर्थ है- 1

(a) आजादी मिलना

(b) जर्मन साम्राज्य की प्रतीक शक्ति

(c) बहादुरी

(d) मुकाबले की तैयारी

उत्तर (a) आजादी मिलना

2. मनरेगा-2005 के अन्तर्गत उन सभी लोगों को जो, काम करने में सक्षम है, जिन्हें काम की जरूरत है, को सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कम से कम कितने दिनों का रोजगार दिया जाता है? 1

(a) एक वर्ष में 200 दिनों का रोजगार

(b) एक वर्ष में 100 दिनों का रोजगार

(c) एक वर्ष में 300 दिनों का रोजगार

(d) एक वर्ष में 365 दिनों का रोजगार

उत्तर (b) एक वर्ष में 100 दिनों का रोजगार

3. निम्नलिखित घटनाओं को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए एवं सही विकल्प का चयन कीजिए- 1

1. आर्थिक महामन्दी की शुरूआत।
2. कोलम्बस द्वारा अमेरिका की खोज।
3. विश्व बैंक और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का औपचारिक रूप से कार्य प्रारम्भ करना।
4. यूरोप के ताकतवर देशों की बर्लिन में बैठक।

(a) 2-4-1-3 (b) 1-2-3-4

(c) 2-1-3-4 (d) 1-3-4-2

उत्तर (a) 2-4-1-3

4. ..... हिंदुओं का मानना था कि शिक्षित होने पर एक साक्षर लड़की विधवा हो जाएगी। 1

उत्तर रूढ़िवादी

अथवा

प्रिंटिंग प्रेस 16वीं शताब्दी के मध्य में पुर्तगाली धर्म-प्रचारकों के साथ पहली बार भारत में ..... में आयी थी।

उत्तर गोवा

5. वस्तु विनिमय प्रणाली की असुविधा के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है? 1

(a) आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की कमी

(b) विभाजन की अनुपस्थिति

(c) पैसा (सम्पत्ति) एकत्र करने में कठिनाई

(d) मुद्रा का विनिमय के माध्यम के रूप में उपलब्ध होना

उत्तर (d) मुद्रा का विनिमय के माध्यम के रूप में उपलब्ध होना

6. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखें– 1
नवीकरणीय संसाधन एक बार प्रयोग करने के पश्चात् समाप्त हो जाते है।

उत्तर

अनवीकरणीय संसाधन एक बार प्रयोग करने के पश्चात् समाप्त हो जाते है।

7. निम्नलिखित तालिका को भारत में गेहूँ की फसल से सम्बन्धित जानकारी के साथ पूरा कीजिए– 1

गेहूँ	आवश्यक वार्षिक वर्षा की मात्रा	फसल का मौसम	मुख्य उत्पादक क्षेत्र
	(A)–?	रबी	(B)–?

उत्तर

(A) – 50 से 75 सेमी.
(B) – उत्तर पश्चिम में गंगा सतलुज मैदान और दक्कन का काली मिट्टी वाला प्रदेश

8. राष्ट्रीय महामार्गो के निर्माण तथा देखभाल के लिए कौन उत्तरदायी है? 1

उत्तर केन्द्रीय सरकार।

9. श्रीलंका में अधिकतर सिंहली भाषा बोलने वाले लोग निम्न में से किस धर्म से संबंधित हैं? 1

(a) बौद्ध धर्म (b) हिन्दू धर्म
(c) ईसाई धर्म (d) मुस्लिम धर्म

उत्तर (a) बौद्ध धर्म

10. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प इस कार्टून को सबसे अच्छा दर्शाता है– 1

(a) नागरिक की गरिमा और आजादी
(b) सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य
(c) लोकतन्त्र की आर्थिक उपलब्धियाँ
(d) उत्तरदायी, जिम्मेवार और वैध शासन

उत्तर (a) नागरिक की गरिमा और आजादी

11. किसी उद्योग के विकास द्वारा एक देश की ..... मजबूती मापी जाती है। 1

उत्तर आर्थिक

अथवा

भारत में, जूट मिलों में से अधिकांश ..... में स्थित हैं।

उत्तर पश्चिम बंगाल

12. 2014 के लोकसभा चुनाव में किस दल को सबसे अधिक सीटें मिलीं? 1

(a) भारतीय जनता पार्टी
(b) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
(c) बहुजन समाज पार्टी
(d) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

उत्तर (a) भारतीय जनता पार्टी

13. भारतीय संविधान में विषयों की कितनी सूचियाँ दी गई हैं? 1

उत्तर तीन।

अथवा

उस प्रक्रिया को क्या कहते हैं जिसमें केंद्र तथा राज्य सरकार की कुछ शक्तियाँ स्थानीय सरकारों को दे दी जाती हैं?

उत्तर विकेन्द्रीकरण।

14. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें– 1

कथन (A) : कपास (कॉटन) नये युग का पहला प्रतीक था।
कारण (R) : विक्टोरियन ब्रिटेन में उद्योगपतियों की ऐसी मशीनों को लाने में कोई दिलचस्पी नहीं थी, जिनके कारण मजदूरों से छुटकारा मिल जाए और जिन पर बहुत ज्यादा खर्चा आने वाला हो।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है, लेकिन R गलत है।
(d) A और R दोनों गलत है।

उत्तर (b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

15. किन आदर्शों पर साम्प्रदायिक राजनीति आधारित है? 1

उत्तर

एक धर्म को अन्य धर्मों से बेहतर मानना।

अथवा

लैंगिक असमानता किसे कहते हैं?

उत्तर

जब पुरूषों एवं महिलाओं में किसी भी प्रकार का भेदभाव किया जाता है तो उसे लैंगिक असमानता कहते हैं।

16. स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने विदेश व्यापार एवं विदेशी निवेश पर प्रतिबंध क्यों लगाया था? कोई एक कारण लिखिए। 1

उत्तर

अंतर्राज्यीय (Inter-State) व्यापार को बढ़ावा देने अथवा घरेलू उद्योगों के विस्तार को बढ़ावा देने हेतु।

अथवा

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भारत में उपभोक्ता सेवा केन्द्र क्यों स्थापित कर रही हैं?

उत्तर

ताकि ये सस्ते, शिक्षित, अंग्रेजी बोलने वाले युवक उपलब्ध करवा सकें।

17. बेल्जियम में अंतिम रूप से शक्ति को केन्द्रीय, राज्य और ..... के बीच साझा किया जाता है। 1

उत्तर सामुदायिक सरकार

18. नीचे दी गई तालिका में दो देशों 'क' और 'ख' के 5-5 नागरिकों की आय का वर्णन किया गया है- 1

तालिका : दो देशों की तुलना

देश	2007 में नागरिकों की मासिक आय (₹ में)					
	1	2	3	4	5	औसत
देश क	9500	10500	9800	10000	10200	10000
देश ख	500	500	500	500	48000	10000

उपर्युक्त जानकारी का विश्लेषण करते हुए निम्न में से किसी एक विकल्प का चुनाव कीजिए-

(a) देश 'ख' के अधिकतर लोग अमीर है।

(b) देश 'क' के अधिकतर लोग गरीब है।

(c) देश 'क' और 'ख' की औसत आय असमान है, लेकिन यह आय के वितरण के सम्बन्ध में सही तस्वीर पेश नहीं करती।

(d) देश 'क' और 'ख' की औसत आय समान है, लेकिन यह आय के वितरण के सम्बन्ध में सही तस्वीर पेश नहीं करती।

उत्तर (d) देश 'क' और 'ख' की औसत आय समान है, लेकिन यह आय के वितरण के सम्बन्ध में सही तस्वीर पेश नहीं करती।

19. पहली सूची (संगठन/दल) और दूसरी सूची (गठबंधन/मोर्चा) के नामों का मिलान करें- 1

	सूची-I		सूची-II
1.	कांग्रेस पार्टी	क	राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन
2.	भारतीय जनता पार्टी	ख	क्षेत्रीय दल
3.	कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्ससिस्ट)	ग	संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन
4.	तेलुगु देशम पार्टी	घ	वाम मोर्चा

उत्तर 1-ग, 2-क, 3-घ, 4-ख

20. "पूरे देश में ऊर्जा के सभी प्रकारों का उपयोग बढ़ रहा है। ऊर्जा की बचत और ऊर्जा के विकास के सतत् पोषणीय मार्ग को विकसित करने की तुरंत आवश्यकता है।" इस ज्वलंत समस्या के निवारण के लिए कोई एक उपाय सुझाइए। 1

उत्तर

हम यातायात के लिए निजी वाहनों की अपेक्षा सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करके।

खण्ड-ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए है? 3

उत्तर :

1 **विदेशी पूँजी निवेश में वृद्धि**- आर्थिक सुधारों के अंतर्गत विदेशी पूँजी निवेश की सीमा 40 प्रतिशत से बढ़ाकर 51 प्रतिशत कर दी गई है।

2 **अवमूल्यन**- आर्थिक सुधारों में अपनाई जाने वाली वैश्वीकरण की नीति के अंतर्गत सरकार ने जुलाई 1991 में रूपये का औसतन 20 प्रतिशत अवमूल्यन किया था।

3 **अर्थव्यवस्था के खुलेपन का विस्तार**- भारतीय अर्थव्यवस्था के खुलेपन का विस्तार करने के लिए विदेशी निवेश तथा अत्याधुनिक तकनीक के प्रयोग को प्रोत्साहित किया गया है।

4 **निर्यात को प्रोत्साहन**- विदेशी व्यापार के भुगतान संतुलन के घाटे को पूरा करने के लिए निर्यात को प्रोत्साहित किया गया है। विदेशी व्यापार में भारत के निर्यात व्यापार को बढ़ाने के लिए निर्यातकों को विशेष सुविधाएँ दी गई हैं।

अथवा

उदारीकरण द्वारा निजी क्षेत्र के उद्योगों को जो तीन स्वतंत्रता प्रदान की गई हैं, उनका उल्लेख कीजिए।

उत्तर :

उदारीकरण द्वारा निजी क्षेत्र के उद्योगों को दी गई तीन स्वतंत्रताएँ निम्न प्रकार हैं–

1 **उद्योगों को खोलने के लिए सरकारी अनुज्ञा की समाप्ति –** सुरक्षा, सामाजिक आवश्यकताओं एवं पर्यावरणीय आधार से संबंधित केवल 7 उद्योगों को छोड़कर शेष सभी उद्योगों के लिए लाइसेंस की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है।

2 **व्यापारिक घराने निवेश के लिए पूरी तरह स्वतंत्र–** क्षमता का विस्तार करने अथवा विविधीकरण के लिए अब औद्योगिक और व्यापारिक घरानों (बड़ी कंपनियों)को किसी तरह की अनुमति नहीं लेनी है। वे पूर्णतः स्वतंत्र है। इसके लिए एकाधिकार और प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार अधिनियम में भी संशोधन कर दिया गया है।

3 **सार्वजनिक क्षेत्र के लगभग सभी उद्योग अब निजी क्षेत्र के हाथ में–** सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आरक्षित क्षेत्र केवल सात उद्योगों तक सीमित कर दिया गया है। निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई कदम उठाये गये हैं और रियायत दी गई है।

22. 1750 का दशक आते–आते भारतीय सौदागरों द्वारा नियंत्रित व्यापारिक नेटवर्क टूटने लगा था। इस कथन की पुष्टि कीजिए। 3

उत्तर :

1. 1750 का दशक आते–आते यूरोपीय कंपनियाँ स्थानीय दरबारों से व्यापारिक छूट तथा एकाधिकार प्राप्त कर शक्तिशाली होने लगी थीं।
2. सूरत तथा हुगली जैसे बंदरगाहों, जहाँ से भारतीय सौदागर अपनी व्यापारिक गतिविधियाँ चलाया करते थे, का पतन हो चुका था। अब कलकत्ता तथा बम्बई जैसे नए बंदरगाह उभर कर सामने आए। इन बंदरगाहों पर यूरोपीय व्यापारियों का कब्जा था।
3. चूँकि निर्यात में कमी आ चुकी थी, स्थानीय बैंकर धीरे–धीरे दिवालिया होते गए। अब भारतीय सौदागरों को यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों द्वारा विकसित व्यापारिक नेटवर्क के अंतर्गत ही काम करना पड़ता था।

अथवा

औद्योगिकीकरण के फलस्वरूप खेती करने के तरीके कैसे बदले? औद्योगिक क्रांति के दौरान प्रचलन में आए यातायात और संचार से जुड़े तीन महत्त्वपूर्ण आविष्कारों के नाम भी बताइए।

उत्तर :

खेती करने के तरीकों में बदलाव–

1. हैरो मशीन, यांत्रिक ड्रिल, ट्रैक्टर, हारवेस्टर (Harvester) इत्यादि नई मशीनों से कृषि की जाने लगी।
2. विस्तृत (extensive) कृषि की जगह गहन (intensive) कृषि ने ले ली।

यातायात के क्षेत्र में आविष्कार–

1. सड़क निर्माण की नई विधि (स्कॉटलैंड के मैकेडम इंजीनियर द्वारा),
2. ब्रिज वाटर नहर (ब्रिडले इंजीनियर–1761),
3. वाष्पचालित नाव (रॉबर्ट फुल्टन–1803),
4. वाष्पचालित इंजन (जॉर्ज स्टीवेंसन–1814),
5. पेट्रोल इंजन (1880)।

संचार के क्षेत्र में आविष्कार–

1. पेनी पोस्टेज वाली डाक व्यवस्था (1840),
2. टेलीविजन प्रणाली (सैमुअल मोर्स–1844),
3. तार प्रेषण की बिल लाइनें (1866 अमेरिका),
4. टेलीफोन का आविष्कार (ग्राहम बेल, 1876)।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़ें और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 1 + 1 = 3$

स्रोत क

देसी अखबारों और राजनीतिक सभाओं की वही भूमिका होती है जो इंग्लैंड के हाउस ऑफ कॉमन्स में विपक्ष की होती है। यानि कि सरकारी नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा कर, लोगों के हित साधने में अक्षम हिस्सों को निकालें और सुधार करें तथा उनको तेजी से लागू करने का काम करें।

"इन सभाओं को चाहिए कि वे देश के खास मुद्दों पर नाना तरह की सूचनाएँ जमा करें और क्या संभव और वांछित सुधार हैं वह बताएँ, इन कार्यों का काफी असर होगा।"

स्रोत ख

"वाणी की स्वतंत्रता ..... प्रेस की आजादी ..... सामूहिकता की आजादी। भारत सरकार अब जनमत को व्यक्त करने और बचाने के इन तीन ताकतवर औजारों को दबाने की कोशिश कर रही है। स्वराज, खिलाफत की लड़ाई सबसे पहले तो इन संकटग्रस्त आजादियों की लड़ाई है।"

स्रोत ग

"अगर किसी ने मुझे पढ़ते देखा होगा तो उसने मुझे उस प्यासे की तरह पाया होगा जो शुद्ध ताजा पानी मिलने पर गटागट पीने लगता है... बड़े एहतियात से लालटेन जलाने के बाद मैं खुद को किताबों में डुबो देता था और वाक् और अर्थ के प्रवाह में मैं पन्ना–दर–पन्ना बहता चला जाता था, अनायास और अनजान। खामोशी के साए में घड़ियाल हर घंटे बजता चला जाता था, पर मुझे सुनाई नहीं पड़ता था। तेल खत्म होने से मेरी लालटेन की लौ पीली पड़ने लगती थी, पर मैं था कि पढ़ता जाता। मैं बत्ती उठाने की जहमत भी नहीं लेता था कि मेरे आनंद में व्यवधान न पड़े और वे नए विचार किस वेग से मेरे सिर में घुसते थे। मेरी बुद्धि कैसे उन्हें आत्मसात् करती थी।"

स्रोत क

23.1 विपक्ष की क्या भूमिका होती है? 1

उत्तर :

सरकारी नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा करना और सुधारों के बारे में बताना।

स्रोत ख

23.2 स्वराज या खिलाफत के लिए लड़ाई का क्या अर्थ है? 1

उत्तर :

स्वतंत्रता या खिलाफत की लड़ाई वाणी की स्वतंत्रता, प्रेस की आजादी और सामूहिकता की आजादी जैसी संकटग्रस्त आजादियों की लड़ाई है।

स्रोत ग

23.3 लेखक के द्वारा पाठकों को दिए गए संदेश की समीक्षा कीजिए। 1

उत्तर :

लेखक पाठक को संदेश दे रहे है कि पढ़ते समय अपने आस-पास हो रही गतिविधियों की ओर ध्यान नहीं देना चाहिए।

24. वर्तमान ऊर्जा के संकट में आप ऊर्जा को बचाने के लिए अपने स्तर पर कौन से कदम उठाएँगे? 3

उत्तर :

ऊर्जा संरक्षण में वृद्धि और नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों का बढ़ता प्रयोग सतत् पोषणीय ऊर्जा के दो आधार हैं। वर्तमान में भारत विश्व के अल्पतम ऊर्जा दक्ष देशों में गिना जाता है। ऊर्जा के सीमित संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जाने चाहिए-

1. एक जागरूक नागरिक के रूप में निजी वाहन की अपेक्षा सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करना।
2. बिना जरूरत बिजली के यंत्रों का प्रयोग न करके हम अपना योगदान दे सकते हैं। आखिरकार ऊर्जा की बचत ही उत्पादन है।
3. गैर पारंपरिक ऊर्जा साधनों का प्रयोग करके हम अपना छोटा योगदान दे सकते है।

अथवा

खनिजों का संरक्षण एवं सतत् पोषणीय विकास क्यों आवश्यक है?

उत्तर :

सतत पोषणीय विकास का अर्थ है पर्यावरण को किसी तरह की हानि पहुँचाये बिना विकास करना। वर्तमान के इस विकास में भावी पीढ़ियों को किसी संकट में नहीं डालना चाहिए। इस समय लोग खनिज संसाधनों का इतना अधिक दोहन और दुरुपयोग करने लगे हैं कि खनिजों का भंडार लगातार कम होता जा रहा है। सतत् पोषणीय विकास और खनिजों का संरक्षण इसलिये आवश्यक है क्योंकि वर्तमान पीढ़ी द्वारा खनिजों का दोहन भविष्य की चिंता न करते हुए किया जा रहा है। यह आने वाले समय में विकास के लिए भयानक होगा।

25. विनिर्माण उद्योग को विकास की रीढ़ की हड्डी क्यों समझा जाता है? कारणों की विवेचना कीजिए। 3

उत्तर :

विनिर्माण उद्योग सामान्यतः विकास की तथा विशेषतः आर्थिक विकास की रीढ़ समझे जाते हैं, क्योंकि-

1. विनिर्माण उद्योग ने केवल कृषि के आधुनिकीकरण में सहायक हैं वरन् द्वितीयक व तृतीयक सेवाओं में रोजगार उपलब्ध कराकर कृषि पर हमारी निर्भरता को कम करते हैं।
2. देश में औद्योगिक विकास बेरोजगारी तथा गरीबी उन्मूलन की एक आवश्यक शर्त है। भारत में सार्वजनिक तथा संयुक्त क्षेत्र में लगे उद्योग, इसी विचार पर आधारित थे। जनजातीय तथा पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना का उद्देश्य भी क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था।
3. निर्मित वस्तुओं का निर्यात वाणिज्य व्यापार को बढ़ाता है जिससे अपेक्षित विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है।
4. वे देश ही विकसित हैं जो कच्चे माल को विभिन्न तथा अधिक मूल्यवान तैयार माल में विनिर्मित करते हैं। भारत का विकास विविध व शीघ्र औद्योगिक विकास में निहित हैं।

26. विकास के लिए आवश्यक तीन सार्वजनिक सुविधाओं का वर्णन करें। 3

उत्तर :

विकास के लिए आवश्यक तीन सार्वजनिक सुविधाएँ निम्नलिखित हैं-

1. **प्रदूषण रहित वातावरण-** सरकार को आवासीय क्षेत्र से बाहर उद्योगों की स्थापना कर, वाहनों का निरीक्षण कर तथा अधिक वृक्ष लगाकर प्रदूषण रहित वातावरण उपलब्ध कराने की ओर ध्यान देना चाहिए।
2. **विद्यालय तथा कॉलेज खोलना-** सरकार को अधिक से अधिक स्कूल तथा कॉलेज खोलने चाहिए ताकि अधिकांश बच्चे कम लागत पर शिक्षित हो सकें।
3. **संपूर्ण क्षेत्र के लिए सामूहिक सुरक्षा उपलब्ध कराना-** सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले सभी लोगों को सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए।

27. बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ, अन्य कम्पनियों से किस प्रकार अलग हैं? 3

उत्तर :

बहुराष्ट्रीय कंपनी किसी अन्य कंपनी से निम्न प्रकार से भिन्न होती हैं-

	बहुराष्ट्रीय कंपनी	अन्य कंपनी
1.	यह एक से अधिक देशों में उत्पादन का स्वामित्व या नियंत्रण रखती हैं।	यह एक देश के भीतर ही उत्पादन का स्वामित्व या नियंत्रण रखती है।

	बहुराष्ट्रीय कंपनी	अन्य कंपनी
2.	यह उन देशों में उत्पादन हेतु कारखानें या कार्यालय स्थापित करती है जहाँ इसे श्रम एवं अन्य संसाधन सस्ते मिलते हैं।	इसके पास ऐसा कोई विकल्प नहीं होता हैं।
3.	चूँकि बहुराष्ट्रीय कंपनी के लिए उत्पादन की लागत कम होती है, इसलिए यह अधिक लाभ कमाती हैं।	इसके पास अधिक लाभ कमाने के लिए ऐसी कोई संभावना नहीं होती हैं।

अथवा

वैश्वीकरण का प्रभाव एक समान नहीं है। उदाहरण की सहायता से समझाइए।

उत्तर :

जहाँ वैश्वीकरण अच्छे उपभोक्ताओं को और उत्पादकों को कौशल, शिक्षा और धन का लाभ देता है, वहीं छोटे उत्पादक और कर्मचारी बढ़ती प्रतियोगिता से पीड़ित होते हैं।

सरकार द्वारा व्यापार बाधाओं को हटाना और उदारीकरण नीतियाँ वैश्वीकरण को पोषित करती हैं जबकि इससे स्थानीय उत्पादकों और निर्माताओं का बहुत नुकसान होता है।

वैश्वीकरण और प्रतियोगिता का दबाव कर्मचारियों का जीवन बदल देता है। बढ़ती प्रतियोगिता के दबाव के कारण नियोक्ता कर्मचारियों को लचीले तौर पर नियुक्त करते हैं। जिसका अर्थ है कि कर्मचारियों का रोजगार सुरक्षित नहीं रहता।

28. आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ बिना राजनीतिक दलों के क्यों नहीं ठहर सकती? स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर :

लोकतांत्रिक सरकार का अर्थ है लोगों द्वारा, लोगों की तथा लोगों के लिए बनाई गई सरकार। लोकतंत्र में सभी नागरिकों को सभी प्रकार के समानाधिकार उपलब्ध हैं तथापि उनमें जाति, धर्म तथा क्षेत्र आदि के नाम पर भेदभाव अधिक हैं। इसे संप्रदायवाद की संज्ञा दी जाती है। इन पर नियंत्रण करने के लिए यद्यपि नियम, कानून, अध्यादेश समय-समय पर बनते एवं पारित होते रहते हैं, परंतु सरकार तथा जनता के बीच संबंध बनाने के लिए क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय दल एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राजनीतिक दल अपने सदस्यों की सहायता से सरकार की सभी सूचनाएँ जनता तक पहुँचाते हैं और जनता की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सूचना सरकार तक पहुँचाते हैं। सरकार को इन्हें मनवाने के लिए विवश करते हैं तथा तर्क देकर मार्गों की पुष्टि करते हैं। इस प्रकार से लोकतांत्रिक व्यवस्था का बिना राजनीतिक दलों के ठहरना असंभव है।

खण्ड-ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. कृषि के महत्त्व का ध्यान रखते हुए भारत में कृषि के आधुनिकीकरण के लिए कई कदम उठाये गये हैं। वर्णन करें। 5

उत्तर :

1. **संस्थागत सुधार-** स्वतंत्रता के पश्चात् सरकार ने कई संस्थागत उपाय किए हैं। इसके लिए चकबंदी, सहकारिता को लागू किया गया तथा जमींदारी प्रथा को समाप्त किया गया।
2. **हरित तथा श्वेत क्रांति-** 1960 और 1970 के दशकों में कई भूमि सुधार कार्यक्रम चलाए गए। हरित क्रांति और श्वेत क्रांति ऐसे ही कार्यक्रम थे।
3. **फसल बीमा तथा किसानों को ऋण सुविधा-** 1980 और 1990 के दशकों में एक संक्षिप्त भूमि सुधार कार्यक्रम चलाया गया।

   सूखा, बाढ़, चक्रवात, आग और बीमारी के लिए फसल बीमा का प्रस्ताव किया गया। सहकारी समितियों और बैंकों द्वारा किसानों को कम ब्याज पर ऋण प्रदान करना कुछ इसी प्रकार के कार्यक्रम थे।
4. **किसान क्रेडिट कार्ड तथा बीमा योजना-** भारत सरकार द्वारा किसानों के लिये किसान क्रेडिट कार्ड तथा निजी दुर्घटना बीमा योजना जैसे कई कार्यक्रम चलाए गए।
5. **न्यूनतम समर्थन मूल्य-** सरकार द्वारा प्रमुख फसलों जैसे गेहूँ, चावल और गन्ना आदि के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है।

अथवा

भारतीय कृषि में क्या सुधार किए जाएं कि बढ़ती जनसंख्या को पर्याप्त खाद्यान्न प्राप्त हो सके। पाँच बिंदुओं में अपना उत्तर दें।

उत्तर :

1. हरित क्रांति का अन्य राज्यों या क्षेत्रों में भी विस्तार किया जाए।
2. उच्च उत्पादकता वाले बीजों का प्रयोग बढ़ाया जाए। अनाज और अन्य फसलों के बीजों की गुणवत्ता भी अनुसंधान कार्यक्रमों में बढ़ाई जाए।
3. पर्याप्त सिंचाई सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। इसके लिए भारत की सभी नदियों को आपस में जोड़ने की योजना लाभदायक होगी। इससे वर्षा पर निर्भरता कम हो जायेगी।
4. जैव खाद तथा जैव कीटनाशकों का प्रयोग फसल उत्पादकता को कुप्रभावित नहीं करेगा और मृदा को अनुपजाऊ होने से भी बचायेगा।
5. इस समय जिन रासायनिक खादों का प्रयोग हो रहा है, उनसे उत्पादन में लगातार गिरावट आ रही है तथा जल प्रदूषण और मृदा प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है।

30. निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों का जवाब दें– $1 + 2 + 2 = 5$

सांप्रदायिकता हमारे देश के लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। हमारे संविधान निर्माता इस चुनौती के प्रति सचेत थे। इसी कारण उन्होंने धर्मनिरपेक्ष शासन का मॉडल चुना और इसी आधार पर संविधान में अनेक प्रावधान किए गए। भारतीय राज्य ने किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में अंगीकार नहीं किया है। श्रीलंका में बौद्ध धर्म, पाकिस्तान में इस्लाम और इंग्लैंड में ईसाई धर्म का जो दर्जा रहा है उसके विपरीत भारत का संविधान किसी धर्म को विशेष दर्जा नहीं देता।

संविधान सभा नागरिकों और समुदायों को किसी भी धर्म का पालन करने और प्रचार करने की आज़ादी देता है। संविधान धर्म के आधार पर किए जाने वाले किसी तरह के भेदभाव को अवैधानिक घोषित करता है। इसके साथ ही संविधान धार्मिक समुदायों में समानता सुनिश्चित करने के लिए शासन को धार्मिक मामलों में दखल देने का अधिकार देता है। जैसे, यह छुआछूत की इजाज़त नहीं देता।

इस हिसाब से देखें तो धर्मनिरपेक्षता कुछ पार्टियों या व्यक्तियों की एक विचारधारा भर नहीं है। यह विचार हमारे संविधान की बुनियाद है। सांप्रदायिकता भारत में सिर्फ़ कुछ लोगों के लिए ही एक खतरा नहीं है। यह भारत की बुनियादी अवधारणा के लिए एक चुनौती है, एक खतरा है। हमारी तरह का धर्मनिरपेक्ष संविधान ज़रूरी चीज़ है पर अकेले इसी के बूते सांप्रदायिकता का मुकाबला नहीं किया जा सकता। हमें अपने दैनंदिन जीवन में सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों और दुष्प्रचारों का मुकाबला करना होगा तथा धर्म पर आधारित गोलबंदी का मुकाबला राजनीति के दायरे में करने की ज़रूरत है।

30.1 धार्मिक समुदायों में समानता सुनिश्चित करने के लिए संविधान राज्य को क्या अधिकार देता है?

30.2 भारतीय संविधान में धर्म निरपेक्षता से संबंधित कुछ प्रावधान किए गए हैं। उनमें से प्रमुख का वर्णन कीजिए।

30.3 "धर्म–निरपेक्षता कुछ व्यक्तियों या पार्टियों की एक विचारधारा नहीं है, परंतु यह हमारे देश की नीवों में से एक है।" कथन की परख कीजिए।

उत्तर :

30.1

संविधान धार्मिक समुदायों में समानता सुनिश्चित करने के लिए राज्य को धार्मिक मामलों में दखल देने का अधिकार देता है।

30.2

भारतीय संविधान में धर्म निरपेक्षता से संबंधित प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रावधान किए गए हैं, जिनमें से कुछ का वर्णन इस प्रकार है–

(a) भारतीय संविधान ने किसी एक धर्म को नहीं अपनाया है। श्रीलंका में बौद्ध धर्म, पाकिस्तान में इस्लाम तथा इंग्लैंड में ईसाई धर्म को अपनाया गया है जबकि भारत में ऐसा कुछ नहीं है।

(b) संविधान में सभी नागरिकों को कोई भी धर्म अपनाने और उसका प्रचार करने की पूर्ण स्वतंत्रता दी गई है।

(c) संविधान धर्म के आधार पर किए जाने वाले किसी भी प्रकार के भेदभाव को अवैधानिक घोषित करता है।

(d) संविधान धार्मिक समुदायों में समानता सुनिश्चित करने के लिए शासन को धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार देता है।

30.3

धर्म–निरपेक्षता हमारे देश की नींव है–

(a) भारत का कोई राजकीय धर्म नहीं है।

(b) भारत का संविधान किसी धर्म को विशेष दर्जा नहीं देता।

(c) संविधान धर्म के आधार पर किए जाने वाले भेदभाव को अवैधानिक मानता है।

(d) संविधान सभी नागरिकों और समुदायों को किसी भी धर्म का पालन करने अथवा किसी धर्म का पालन न करने की आज़ादी प्रदान करता है।

(e) संविधान धार्मिक समुदायों में समानता सुनिश्चित करने के लिए शासन को धार्मिक मामलों में दखल देने का अधिकार देता है।

31. भाषा के आधार पर प्रांतों का गठन हमारे देश की लोकतांत्रिक राजनीति के लिये पहली और एक कठिन परीक्षा थी। कथन की व्याख्या कीजिए। 5

उत्तर :

भारत ने सन् 1947 में लोकतंत्र की राह पर अपनी जीवन–यात्रा शुरू की। उस वक्त से लेकर सन् 2017 तक का अगर आप राजनीतिक मानचित्र देखें तो इस अवधि में आए बदलावों को देखकर एकबारगी आप आश्चर्यचकित रह जाएँगे। अनेक पुराने प्रांत गायब हो गए और कई नए प्रांत बनाए गए। कई प्रांतों की सीमाएँ, क्षेत्र और नाम बदल गए।

नए राज्यों को बनाने के लिए 1950 के दशक में भारत के कई पुराने राज्यों की सीमाएँ बदलीं। ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया कि एक भाषा बोलने वाले लोग एक राज्य में आ जाएँ। इसके बाद कुछ अन्य राज्यों का गठन भाषा के आधार पर नहीं बल्कि संस्कृति, भूगोल अथवा जातीयताओं (एथनीसिटी) की विभिन्नता को रेखांकित करने और उन्हें आदर देने के लिए भी किया गया। इनमें नगालैंड, उत्तराखंड और झारखंड जैसे राज्य शामिल हैं।

जब एक भाषा के आधार पर राज्यों के गठन की बात उठी तो कई राष्ट्रीय नेताओं को डर था कि इससे देश टूट जाएगा। केंद्र सरकार ने इसी के चलते राज्यों का पुर्नगठन कुछ समय के लिए टाल दिया था पर हमारा अनुभव बताता है कि भाषावार राज्य बनाने से देश ज्यादा एकीकृत और मज़बूत हुआ। इससे प्रशासन भी पहले की अपेक्षा कहीं ज्यादा

सुविधाजनक हो गया है।

32. असहयोग आन्दोलन के परिणामों का वर्णन कीजिए। 5

उत्तर :

असहयोग आंदोलन के परिणाम–

1. इस आन्दोलन ने ब्रिटिश शासन व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया। अंग्रेजों को लगने लगा कि बिना उदारवादियों के सहयोग के वे अब आगे नहीं चल पाएँगे।
2. सभी देशवासी एक झंडे के नीचे इकट्ठे हो गये। उनमें राष्ट्रीयता की भावना का संचार हो गया।
3. जनता अब अधिक–से–अधिक स्वदेशी वस्तुएँ खरीदने लगी। जनता ने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करके ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को धक्का पहुँचाया।
4. हिन्दी को राष्ट्रीय भाषा मानकर इसको बढ़ावा दिया गया। अंग्रेजी के महत्त्व को नकारा गया।
5. कांग्रेस ने भी अपने दृष्टिकोण को बदलकर सविनय अवज्ञा आन्दोलन को अपना ध्येय समझा।
6. इस समय जो कांग्रेसी नेता जेलों में बंद थे उन्हें आन्दोलन रोके जाने की खबर सुनकर अप्रसन्नता हुई। स्वयं गाँधीजी गिरफ्तार कर लिए गए। उन्हें छः साल की जेल की सजा सुनाई गई मगर उन्हें दो वर्षो के अन्दर ही रिहा कर दिया गया। तब उन्होंने चरखे को लोकप्रिय बनाने, हिन्दू–मुस्लिम एकता को बढ़ावा देने, छुआछूत का मुकाबला करने तथा राष्ट्रीय शिक्षा को प्रोत्साहन देने के कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया। इससे आंदोलन की उपलब्धियों को स्थायी बनाने में सहायता मिली।
7. मोतीलाल नेहरू और चितरंजन दास के नेतृत्व में कांग्रेस के एक भाग ने स्वराज्य पार्टी बना ली और फैसला किया कि वे विभिन्न विधायी परिषदों के चुनावों में भाग लेकर उन कानूनों एवं योजनाओं को पारित नहीं होने देंगे जो भारतीयों के हित–विरूद्ध जाती हों।

33. मुद्रा का आधुनिक रूप क्या हैं? **रुपये** को व्यापक रूप में विनिमय का माध्यम क्यों स्वीकार किया गया है? दो कारण स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर :

रुपये– कागज के नोट और सिक्के, मुद्रा के आधुनिक रूप है। **रुपये** को व्यापक रूप में विनिमय का माध्यम इसलिए स्वीकार किया गया है क्योंकि यह विनिमय प्रक्रिया में सरलता से प्रयोग किया जा सकता हैं। लोग रुपये (मुद्रा) के माध्यम से कुछ भी खरीद सकते हैं। अब विनिमय के लिए किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं रह गई हैं।

उदाहरण के लिए– आज हम यह देखते हैं कि जूतों का एक विनिर्माता अपनी गेहूँ की जरूरत के लिए ऐसे किसान को ढूँढ़ने नहीं जाता है जिसको जूतों की जरूरत हो और इसके बदले में गेहूँ देने का इच्छुक हो।

इसके विपरीत वह एक दुकान खोल लेता है तथा मुद्रा या रुपये से जूतों की बिक्री करता है। इन रुपयों को लेकर वह किराने (खाद्यान्न भंडार) की दुकान में जाता हैं और रुपये देकर गेहूँ खरीद लेता हैं।

संक्षेप में यह कहा जा सकता हैं कि मुद्रा के प्रचलन ने अब आवश्यकताओ के दोहरे संयोग की समस्या समाप्त कर दी हैं। मानव आवश्यकताओं की सभी चीजें बाजार में उपलब्ध हैं और प्रत्येक चीज को रुपयों से खरीदा जा सकता हैं।

अथवा

साख की शर्तें क्या हैं? किन्हीं पाँच बिन्दुओं के माध्यम से समझाइए।

उत्तर :

1. हर ऋण समझौते में एक विशेष ब्याज दर का उल्लेख होता है जिसे उधारकर्ता को मूलधन के भुगतान के समय चुकाना होता हैं।
2. इसके अतिरिक्त ऋणदाता गिरवी यानी एक ऐसी संपत्ति की माँग रख सकता हैं जो उधारकर्ता की अपनी हो एवं ऋण के भुगतान तक उसका गारण्टी के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके।
3. उधारकर्ता यदि ऋण का भुगतान नहीं कर पाता है तो ऋणदाता को भुगतान पाने के लिए गिरवी रखी संपत्ति को बेचने का अधिकार है।
4. साख की शर्त में ब्याज दर, गिरवी दस्तावेज और भुगतान की तारीख अहम हैं।
5. साख की शर्तें एक साख से दूसरी साख में बदलती रहती हैं। वे उधारदाता और उधारकर्ता की प्रकृति के आधार पर बदलती रहती हैं।

34. संगठित और असंगठित क्षेत्रकों में विद्यमान रोजगार–परिस्थितियों की तुलना करें। 5

उत्तर :

संगठित और असंगठित क्षेत्रकों की रोजगार परिस्थितियों में बहुत अंतर पाया जाता है। रोजगार परिस्थितियों के आधार पर इन दोनों क्षेत्रकों की तुलना निम्न प्रकार कर सकते हैं–

	संगठित क्षेत्रक	**असंगठित क्षेत्रक**
1.	ये क्षेत्रक सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं।	ये क्षेत्रक सरकार द्वारा पंजीकृत नहीं होते हैं।
2.	इसमें सरकारी नियमों, विनियमों का पालन किया जाता है।	इसमें सरकारी नियमों, विनियमों का पालन नहीं किया जाता है।
3.	यहाँ रोजगार की अवधि नियमित होती है।	यहाँ रोजगार की अवधि नियमित नहीं होती है।

	संगठित क्षेत्रक	असंगठित क्षेत्रक
4.	इस क्षेत्रक में कर्मचारियों को रोजगार–सुरक्षा के लाभ मिलते हैं। उन्हें सवेतन छुट्टी, भविष्य निधि, सेवानुदान आदि प्राप्त होता है।	इस क्षेत्रक में कर्मचारियों को रोजगार–सुरक्षा नहीं मिलती। यहाँ सवेतन छुट्टी, भविष्य निधि, सेवानुदान आदि का कोई प्रावधान नहीं होता है।
5.	सरकारी संस्थानों, सरकारी सहायता प्राप्त संस्थाओं तथा बड़ी–बड़ी कंपनियों में काम करना इसके उदाहरण हैं।	इसमें भूमिहीन श्रमिक, छोटे किसान, सड़कों पर विक्रय करने वाले, श्रमिक तथा कबाड़ उठाने वाले लोग शामिल हैं।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए– 2

(A) वह स्थान, जहाँ पर किसानों का सत्याग्रह आंदोलन हुआ।

(B) वह स्थान, जहाँ 1927 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन हुआ।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें– 4

(i) रामागुंडम – तापीय ऊर्जा संयंत्र

(ii) सूरत – सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र

(iii) जमशेदपुर – लोहा और इस्पात संयंत्र

(iv) पुणे – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क

(v) काकरापारा – आण्विक ऊर्जा संयंत्र

(vi) चेन्नई – प्रमुख समुद्री पत्तन

उत्तर

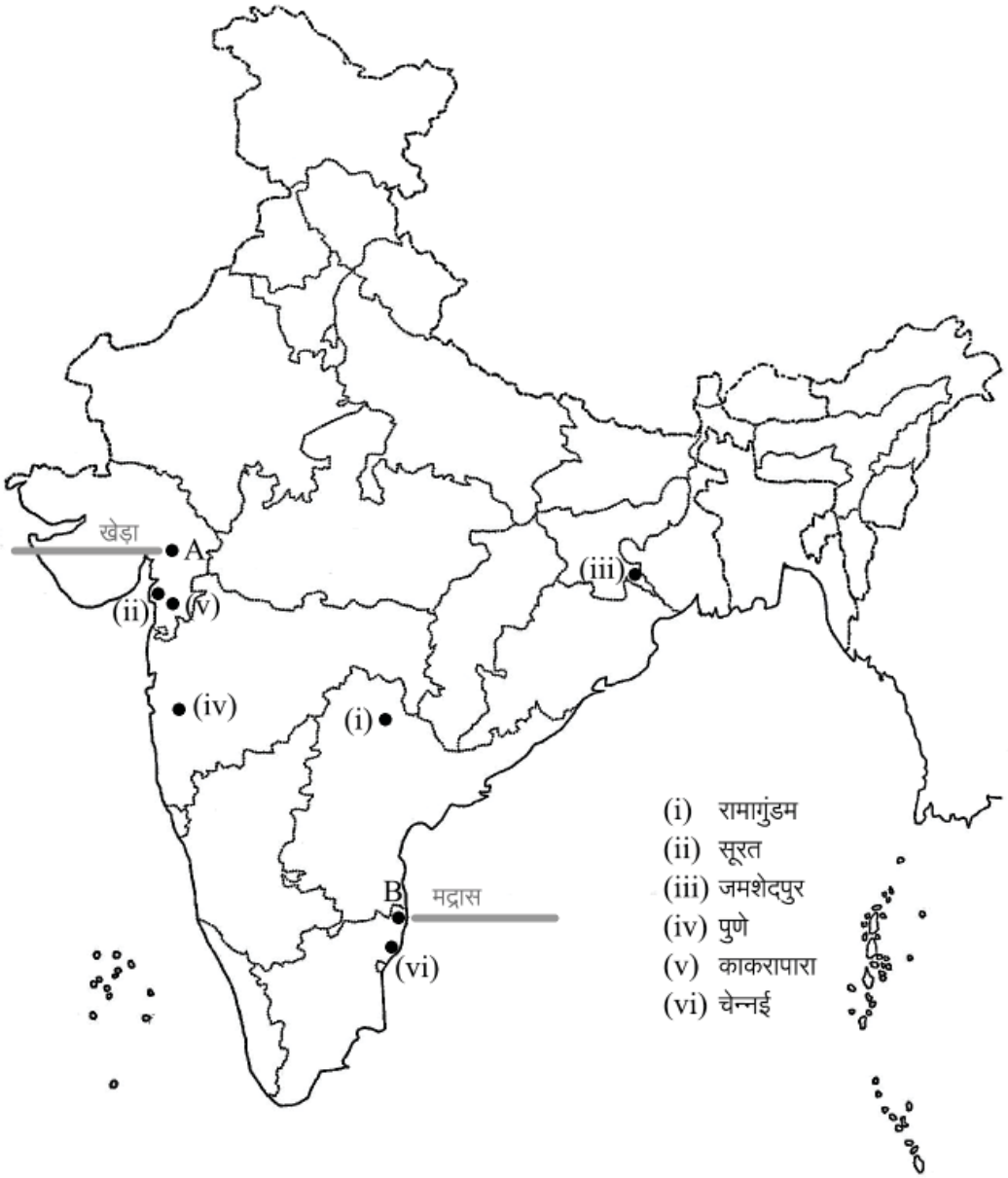

WWW.CBSE.ONLINE

Download Unsolved version of this paper from
www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.